



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 300]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 24, 2003/पौष 3, 1925

No. 300]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 24, 2003/PAUSA 3, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 2003

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्रीन विनीयर टेप के भारत में आयातों से संबंधित
पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम

फा. सं. 14/50/2002-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :—

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

(i) उपरोक्त नियमों के तहत, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) को घरेलू उद्योग की ओर से मै. वाटरप्रूफ कॉरपोरेशन प्रा.लि. द्वारा दायर की गई याचिका प्राप्त हुई जिसमें चीनी ताइपेई (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित ग्रीन विनीयर टेप के पाटन का आरोप लगाया गया था।

- (ii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची के सीमाशुल्क कोड सं. 48.11, 4811.4900, 48.23 और 4823.1900 वर्गीकृत चीन ताईपेई मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी कार्यवाही शुरू करने के बारे में एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे 27 दिसम्बर, 2002 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था ।
- (iii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर चीन ताईपेई से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच शुरू करने का निर्णय लिया ।
- (iv) प्राधिकारी ने आवश्यक सीमा तक घरेलू उद्योग की मौके पर जांच की ।
- (v) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों को 23 मई, 2003 की अधिसूचना संख्या 14/50/2002-डी जी ए डी के द्वारा अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से यह अनुरोध किया था कि वे इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं ।
- (vi) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ।
- (vii) प्राधिकारी ने नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावासों/उच्चायोगों को इस अनुरोध के साथ प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति भेजी कि वे प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपने विचार प्रस्तुत करने की सलाह दें ।
- (viii) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/आयातकों तथा दूतावासों को प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति इस अनुरोध के साथ भेजी कि वे अपने-अपने देशों के उत्पादकों तथा निर्यातकों को प्रारंभिक जांच परिणामों पर अपने-अपने विचार यदि कोई हों, प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर प्रस्तुत करने की सलाह दें ।
- (ix) सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन की इष्टतम लागत निकालने के लिए तथा माल बनाने और बेचने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की सूचना के अनुसार घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का भी विश्लेषण किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग को हुई क्षति कम करने के लिए पर्याप्त होगा । याचिकाकर्ता कंपनी की उत्पादन आंकड़ों की लागत पर विचार किया गया था और उचित जांच की गयी थी ।
- (x) हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए उपर्युक्त अनुरोधों जिस सीमा तक वे नियमानुसार संगत हैं और इस मामले पर प्रभाव डालते हैं पर विचार किया गया है इन जांच परिणामों में उचित स्थानों पर कार्रवाई की गयी है ।

- (xi) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाईल निरीक्षण हेतु उपलब्ध कराई ।
- (xii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया है तथा उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम निष्कर्षों में भी विधिवत् विचार किया गया है ।
- (xiii) यह जांच 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2002 तक की अवधि के लिए है ।
- (xiv) यह अधिसूचना में आए *** से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

घरेलू उद्योग के विचार

2. भारत में जी वी टी का एकमात्र उत्पादक वाटर-प्रूफ कारपोरेशन प्रा० लि० है । इसके पास देश में वर्तमान मांग पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता से अधिक है ।
3. जी वी टी का उपयोग विनीयर का विनिर्माण करने हेतु किया जाता है । इसका उपयोग सर्वोत्तम काष्ठ की गिली सीटों को बांधने और रद्दी को कम करने के लिए किया जाता है । टेप का विनिर्माण अत्यधिक बड़े रोलों में किया जाता है जिसे बाद में वांछित लंबाई और चौड़ाई में काटा जाता है । इस टेप का उपयोग लट्टों से विनीयर शीटों के विनिर्माण में एक सहायक उत्पाद के रूप में किया जाता है । इसका उपयोग लट्टों को छिलते समय धारियों के मापक के रूप में भी किया जाता है ।
4. इस उत्पाद का आयात जम्बो रोलों में भी किया जाता है जिसका पाटन भारतीय बाजार में ताईवान के निर्यातकों द्वारा किया जा रहा है । यह 1.08 मी x 3000 मी० के रील के आकार में उपलब्ध है । इन रीलों को आयातक द्वारा छोटे आकारों में (चौ० और ल०) काटकर उपभोक्ताओं को बेचा जाता है ।
5. निर्यातकों का यह दावा कि मूलतः दो भिन्नताएं हैं पहला, ताईवान समेत सभी अन्य बाजारों में बेचे गए ग्रेड ए की तुलना में भारत में जो सामग्री आ रही है वह बी ग्रेड की है । दूसरा, भारत में जो सामग्री बेची गयी है वह सस्ते आकार के रोलों में है (जो जम्बो रोलों में पूर्ण चौड़ाई वाला अंतिम आकार में न कटा हुआ होता है) निर्यातक यह दावा करता है कि भारत से संबंधित सामग्री बी ग्रेड की है जबकि आयातक यह दावा करते हैं कि आयातित टेप बेहतर गुणवत्ता वाला है ।
6. घरेलू उद्योग आयातित कागज और आयातित एक्री लामाइड से टेप का विनिर्माण करता है जो सरेस का आवश्यक तत्व है । दोनों उत्पादन लागत का लगभग 75 प्रतिशत बनता है । यदि इस प्रकार की महत्वपूर्ण एवं व्यापक निविष्टियों का आयात किया जाता है तो भारतीय उत्पाद किसी भी प्रकार से घटिया नहीं है ।

7. वस्तुतः माननीय सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश के अनुसरण में लकड़ी के लट्ठों को काटना भारत में वास्तविक रूप से रूका हुआ है और विनियर के निर्माण के लिए केवल आयातित लट्ठों का प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार लकड़ी विश्व स्तर पर प्रयोग की जाने वाली लकड़ी से भिन्न नहीं है और इसी प्रकार अपेक्षित टेप अलग नहीं हो सकता।

8. याचिकाकर्ता का यह निवेदन है कि उद्योग में इस उत्पाद का ए और बी के रूप में कोई ज्ञात वर्गीकरण नहीं है। निर्यातक का दावा है कि वे भारत को छोड़कर किसी अन्य बाजार में ग्रेड बी की बिक्री नहीं करते हैं। इसके अतिरिक्त निर्यातक की वेबसाइट के एक उद्धरण से हमारे दिनांक 16 अप्रैल, 2003 के पहले पत्र में यह निवेदन किया गया है कि यह स्पष्ट है कि उनकी उत्पाद श्रृंखला में प्रस्तुत किया जा रहा बी गुणवत्ता का कोई टेप नहीं है। यह स्पष्ट और प्रत्यक्ष है कि इन कार्रवाईयों के लिए विशेष तौर पर सुरक्षा तैयार की गई है।

9. संक्षेप में, यह तथ्यात्मक रूप से सही है कि ज्ञात अथवा किसी जगह उत्पादित ग्रीन विनियर टेप के कोई भिन्न-भिन्न ग्रेड नहीं है। जैसा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि ग्रेड बी की नामावली को केवल पाटन संबंधी कार्यकलाप को छिपाने के लिए प्रयोग किया जा रहा है। निर्यातक ने ग्रेड बी की सामग्री की मान्यता के लिए कोई अंतर्राष्ट्रीय विनिर्दिष्टता नहीं बताई है।

10. आयातक इसके अतिरिक्त यह दावा भी करते हैं कि उनका उत्पाद समान वस्तु नहीं हैं क्योंकि इसका आयात जम्बो रोल्स में किया जाता है। तथ्य यह है कि जो कुछ वे करते हैं वह रोल्स को टेप में चीरना है और यह दावा करते हैं कि उत्पाद अलग है। यह स्पष्ट रूप से विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के लिए मानक निर्धारित नहीं कर सकता है।

11. अपने निवेदनों में अन्यत्र भी आयातकों ने घरेलू उद्योग के दर्जे का दावा किया है क्योंकि वे विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण के व्यवसाय में हैं क्योंकि वे टेप को आकारों में चीरते हैं। इस प्रकार वे अवसरवादी ढंग से विपरीत अवस्थिति लेते हैं अर्थात् कि उनका उत्पाद समान वस्तु नहीं है और कि वे घरेलू उद्योग के रूप में अर्हता प्राप्त करते हैं।

12. आयातक सुपरिचित नहीं है और पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत की गई कार्रवाई से इसलिए उलझन में है कि एक उद्योग का अर्थ सामान्य तौर पर कंपनियों का एक समूह होता है न कि एक अकेली कंपनी। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपने प्रारंभिक जांच परिणामों में यह स्पष्ट जांच परिणाम है कि याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक होने के कारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) का पालन किया है।

13. जांच शुरूआत के संदर्भ में, यह सार्वभौमिक (भारत में भी) रूप से माना जाता है कि एक उद्योग भी, जो निर्धारित मानदंडों को पूरा करता है, अपनी ओर से जांच शुरू करने के लिए आवेदन कर सकता है। सार्वभौमिक (और भारत में) रूप से एकल उद्योग के उस आवेदन पर अनेक कार्यवाहियां शुरू की गयी हैं जो निर्धारित मानदण्ड को पूरा करता है।

मैसर्स किरण ट्रेडिंग कं० के विचार

14. सामान्य रूप से किसी उद्योग किसी विशेष उत्पाद अथवा उत्पादों का कारोबार करने वाली कंपनियों के समूह के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाता है। किन्तु ग्रीन विनीयर टेप के मामले में एकल घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत याचिका पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का प्रस्ताव है जो घरेलू उद्योग का 100 प्रतिशत उत्पादन करता है।

15. सुनवाई पर याचिकाकर्ता द्वारा यथा विनिर्दिष्ट कि अपनी 75 प्रतिशत कच्ची सामग्रियों अर्थात् कागज और सरस तथा भारत में किया गया प्रसंस्करण (सरस और कागज का मिश्रण तथा छोटे-छोटे कटे रोल तैयार किए जाते हैं), का आयात किया जाता है जबकि हम पूर्ण रूप में ग्रीन विनीयर टेप का आयात करते हैं अर्थात् जम्बो रोल के रूप में उसके बाद भारत में उन्हें काटा जाता है और प्लाई वुड उद्योग में प्रयोग लाने हेतु छोटे-छोटे रोलों में परिवर्तित किया जाता है। ग्रीन विनीयर टेप के लिए याचिकाकर्ता द्वारा सम्पूर्ण कच्ची सामग्रियों का आयात किया जाता है और तब याचिकाकर्ता को कैसे घरेलू उद्योग कहा जा सकता है और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का प्रस्ताव किया जा सकता है।

16. पाटनरोधी शुल्क के मार्जिन से ग्रीन विनीयर टेप की लागत में इसके प्रयोक्ताओं द्वारा प्रयोग किए जा रही लागत से काफी अधिक वृद्धि हो जाएगी। इससे प्रयोक्ताओं के लिए उत्पादन लागत के बढ़ने से अंतिम उत्पाद की लागत बढ़ जाएगी जिसका आम जनता पर प्रभाव पड़ेगा। लगाए जाने के लिए प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क की मात्रा के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं के लिए न केवल कीमतों में वृद्धि होगी वरन् घरेलू प्लाईवुड उद्योग को भी नुकसान पहुँचेगा और चीनी ताईपेई से होने वाले ग्रीन विनीयर टेप के आयातों पर पूर्ण प्रतिबंध भी लग जाएगा।

निर्वातकों के विचार

17. ग्रेड ' ए ' ग्रीन विनीयर टेप किसी भी क्षेत्र के लट्ठों से उत्पादित विनीयर की सभी किस्मों पर चिपकता है जबकि ग्रेड बी केवल दक्षिण एशियाई क्षेत्र अर्थात् भारत, बर्मा, कम्बोडिया, वियतनाम आदि देशों के लट्ठों से उत्पादित विनीयर के लिए उपयुक्त है।

18. ग्रेड ' ए ' के कागज की गुणवत्ता ' बी ' ग्रेड कागज से काफी अच्छी है जबकि ग्रेड ' ए ' की तुलना में ग्रेड ' बी ' में प्रयुक्त कागज घटिया गुणवत्ता का है।

ग्रेड ' ए ' उपयोग के लिए तैयार कट रोल होता है जैसाकि आयातकों द्वारा वांछित है जबकि ग्रेड ' बी ' कट रोल नहीं होता है क्योंकि इसकी कटाई में अधिक श्रमिकों की आवश्यकता होती है जो ताइवान में काफी महँगा है।

19. ग्रेड ' ए ' ग्रीन विनीयर टेप की कटाई के समय, बहुत कम नुकसान होता है क्योंकि इस उच्च ताप पर रखा जा सकता है क्योंकि अच्छी गुणवत्ता का कागज सुखाने के समय जलता नहीं है, जिससे कटाई आसान हो जाती है और इससे कम नुकसान होता है जबकि ग्रेड बी ग्रीन विनीयर टेप की कटाई के समय गोंद की पतली परतों के कारण काफी नुकसान होता है, जो सही ढंग से नहीं सूखते हैं क्योंकि गोंद को सुखाने के लिए इन्हें उच्च ताप पर गर्म नहीं किया जा सकता है क्योंकि इनका कागज घटिया होता है। गोंद के न सूखे हुए हिस्से कई बार वाइंडिंग के समय जी बी टी की उमरी परत से चिपक जाते हैं। स्लिटिंग के लिए रोल को खोलते समय उमरी परत और निचली परत के छोटे हिस्से एक दूसरे से चिपक जाते हैं जिस के कारण कागज फट जाता है। जिससे अधिक नुकसान होता है।

20. भारतीय लकड़ी के लिए ग्रेड ' बी ' ग्रीन विनीयर टेप उपयुक्त है। भारत में 0.38 मिमी चौड़ाई के फेस विनीयर को छीला जाता है जिसमें श्रम की अत्यधिक आवश्यकता होती है और जो अन्य देशों में कहीं भी नहीं किया जाता है (अन्य देशों में आम तौर पर यह 0.65 मिमी० से 0.75 मिमी० है)। इसका अर्थ यह है कि भारत को आपूर्ति किए गए टेप ' बी ' ग्रेड टेप रहे होंगे क्योंकि इस टेप को अन्य देशों की तुलना में काफी कम/पतली लकड़ी के टियर के साथ लगाना होता है। इस प्रकार ' बी ' ग्रेड किस्म की आपूर्ति की जाती है जो भारतीय विनीयर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। भारत को बिना कटे हुए ग्रेड बी की आपूर्ति की जाती है क्योंकि प्रत्येक उद्योग का औसत विनीयर उत्पादन अन्य देशों की तुलना में बहुत कम है। हमारी 50 विनीयर उत्पादन इकाइयाँ भारत की एक पूरे कारखाना उत्पादन के बराबर होंगी। इस प्रकार भारत में प्रत्येक इकाई के लिए माँग बहुत कम है और प्रत्येक कारखाने को कम मात्रा में अलग-अलग आकारों के टेपों की आवश्यकता होती है, जिससे हमारे लिए प्रत्येक कारखाने की विशिष्ट माँग को पूरा करना असंभव है। भारतीय बाजारों में माँग है और हमारी ग्रेड ' बी ' की गुणवत्ता भी भारतीय घरेलू विनिर्माताओं की गुणवत्ता से बेहतर होती है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

21. विचाराधीन उत्पाद ग्रीन वेनियर टेप है। यह गम्मड पेपर रील्स के नाम से भी जाना जाता है जिसका मुख्य रूप से जम्बो रोल्ल्स में आयात किया जाता है। इसका प्रयोग लॉग्स से विनियर शीट्स के विनिर्माण में उत्पादन सहायक के रूप में किया जाता है और इसका प्रयोग लॉग्स को छीलते समय किनारा रंकन के लिए भी होता है। इस मद का प्रयोग किनारा-संरक्षण बंधक (बोर्डिंग) माध्यम के रूप में विशेष रूप से किया जाता है जो प्लाईवुड बनाने के लिए छीलते, सूखाते, हैंडलिंग तथा प्रसंस्करण करते समय वेनियर के अपव्यय को कम करते हैं। इसका आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय के तहत किया जाता है। वर्गीकरण उपशीर्ष 48.11, 48.11, 4900, 48.23 तथा 4823 1900 ग्रीन वेनियर टेप का विवरण बताते हैं। तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी तरह से मौजूदा जांच के कार्य क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

22. आयातकों/निर्यातकों ने इस उत्पाद को ' बी ' ग्रेड का कोटिड पेपर के रूप में वर्णित किया है जो भारत को निर्यात किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में विनिर्माता ' बी ' ग्रेड कोटिड पेपर को ग्रेड ' ए ' ग्रीन वेनियर टेप में चीर कर, काटकर, पैकिंग आदि करने के बाद ग्रीन वेनियर टेप में परिवर्तित किया जाता है। निर्यातक ने दावा किया है कि ग्रेड ' बी ' कोटिड पेपर ग्रेड ' ए ' ग्रीन वेनियर टेप से भिन्न है जिनकी घरेलू बाजार में बिक्री नहीं की जाती है और जिनका निर्यात तृतीय देशों को किया जाता है। इन दोनों ग्रेडों में मुख्य भिन्नता कच्चे माल की गुणवत्ता में है और इस प्रकार सरेस और कागज की लागत में अंतर के कारण ग्रेड ' ए ' के कच्चे माल की लागत ग्रेड ' बी ' से अधिक है। कागज तथा सरेस की अधिक लागत छांटने तथा तैयार करने अधिक पैकिंग लागत और अधिक विपणन लागतों की अतिरिक्त श्रम प्रधान प्रक्रियाओं के कारण ' ए ' ग्रेड टेपों की कुल लागत भारत को निर्यात किए गए ' बी ' ग्रेड कोटिड पेपर से काफी अधिक है। याचिकाकर्ता ने ग्रेड ' बी ' वेनियर टेप के बारे में कोई सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है बल्कि वे केवल एक प्रकार के ग्रीन वेनियर टेप का ही विनिर्माण करते हैं जिसका प्रयोग लकड़ी के लठ्ठों से विनियर शीटों के विनिर्माण में उत्पादन सहायक के रूप में किया जाता है तथा इसका प्रयोग लठ्ठों को छीलते समय किनारों को बांधने के लिए भी किया जाता है।

23. याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि ताइवान से आयात किए गए जम्बों रोल्ल्स उनके द्वारा विनिर्मित तथा बिक्री किए गए ग्रीन विनीयर टेप उत्पाद से भिन्न नहीं हैं। आयातक लगभग 1.08 मीटर चौड़ाई तथा 3000 मीटर लम्बाई के लम्बो रोल्ल्स में तैयार उत्पाद ला रहे हैं और उसके बाद ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार आकारों में उन्हें काटा जा रहा है। वस्तुतः समस्त निवेश कागज को अपेक्षित रोल्ल्स में बनाने और काटने, आवश्यकतानुसार सरेस बनाने, मूल कागज पर सरेस की परत चढ़ाने, मूल कागज पर सरेस को सूखाने और अंततः ग्राहक की अपेक्षानुसार काटने, स्लिर करने और पैकेज करने में होता है। आयातकों को ग्राहकों की आवश्यकता के आकारों में आयातित बड़े रोल्ल्स काटना पड़ता है जबकि याचिकाकर्ता भी बड़े रोल बनाते हैं और तत्पश्चात् इसी प्रकार की विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी से ग्राहक की आवश्यकता के अनुसार उन्हें काटते हैं और बेचते हैं।

24. याचिकाकर्ता ने बताया कि ग्रीन विनीयर टेप का कोई ग्रेडेशन नहीं है और वे विश्व के किसी अन्य भाग में ऐसे ग्रेड " बी " के संबंध में साक्ष्य उपलब्ध कराने में अक्षम रहे हैं। याचिकाकर्ता ने आगे यह तर्क दिया है कि भारत में निर्यातित संबद्ध वस्तु की कीमत पर निर्यातक अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मूल कागज की लागत को प्राप्त करने में समर्थ नहीं होगा। प्राधिकारी ने निर्यातक के अनुरोधों की जाँच की और यह नोट किया है कि निर्यातकों ने स्वयं यह स्पष्ट किया है कि ग्रीन विनीयर टेप्स की किस्म ग्रेड " बी " का निर्यात केवल भारत को किया जाता है, यह न तो उनके घरेलू बाजार में बेची जाती है और न ही किसी तीसरे देश को निर्यात की जाती है।

25. कोटेड पेपर ग्रेड " बी " के संबंध में प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता, निर्यातकों तथा आयातकों/प्रयोक्ताओं द्वारा व्यक्त किए गए मतों पर विचार किया है। पाटनरोधी नियमावली के नियम-2 (घ) में समान वस्तु की परिभाषा इस प्रकार है -

" समान वस्तु से तात्पर्य ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटन की जा रही जाँचधीन वस्तु के सभी तरह से समान या समरूप हो, या ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में कोई अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी प्रकार समान न हो फिर भी उसमें जाँचाधीन वस्तु से बिल्कुल मिलती-जुलती विशेषताएं हों। "

26. निर्यातक तथा आयातक के इन तर्कों के संबंध में कि आयातित वस्तु जाँचाधीन वस्तु के सभी तरह से समान या समरूप नहीं है; प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने अन्य बातों के साथ-साथ बताया है कि ग्रीन विनीयर टेप्स के दोनों ग्रेडों के बीच अत्यधिक प्रतिस्थापनीयता है तथा यह कि घरेलू तौर पर उत्पादित ग्रीन विनीयर टेप तथा आयातित ग्रेड " बी " कोटेड पेपर जिसका प्लाईवुड उद्योग द्वारा उपयोग किया जाता है, में विशेषताओं की दृष्टि से काफी समानता है। याचिकाकर्ता तथा आयातक/निर्यातक दोनों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी यह निर्धारित करने को बाध्य हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ग्रीन विनीयर टेप विचाराधीन उत्पाद ग्रेड बी कोटेड पेपर, से सभी प्रकार से समान समरूप नहीं है।

27. प्रयोक्ता उद्योगको ग्रीन विनीयर टेप्स की बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजी साक्ष्य, जिनका सत्यापन लागत एवं बिक्री के सत्यापन के दौरान किया गया है, से उनके बिक्री तथा उत्पाद रजिस्टर से यह स्थापित हुआ था कि प्लाईवुड उद्योग घरेलू तौर पर विनिर्मित ग्रीन विनीयर टेप्स का प्रयोग कर रहा था जो जैसा उनके द्वारा दावा किया गया है आगे आयातित ग्रीन विनीयर टेप का भी प्रयोग करता है। प्रयोक्ता उद्योग ने अपने अनुरोधों में इस बात की पुष्टि की है कि प्लाईवुड उद्योग में आयातित ग्रीन विनीयर टेप्स का उपयोग किनारों के संरक्षण-बाँडिंग माध्यम के रूप में किया जाता है जिससे प्लाईवुड बनाते समय छीलने, सुखाने, प्रहस्तन तथा संसाधन के दौरान विनीयर की बर्बादी में कमी होती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक किस्म का

आयात एवं उपयोग किया गया है जबकि दूसरी किस्म का किया गया उपयोग दोनों ग्रेडों के बीच तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता को सिद्ध करता है।

28. अतः भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित ग्रीन विनीयर टेप तथा चीनी ताईपेई से निर्यातित ग्रीन विनीयर टेप में कोई खास अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा चीनी ताईपेई से आयातित ग्रीन विनीयर टेप भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विनिर्दिष्टताओं, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने इन दोनों का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और चीन ताईपेई से आयातित ग्रीन विनीयर टेप को पाटनरोधी नियमों के अनुसार समान वस्तु के रूप में माना जाना चाहिए। भारतीय उद्योग द्वारा अपनाई जा रही प्रौद्योगिकी चीन ताईपेई के ग्रीन विनीयर टेप के विनिर्माताओं द्वारा अपनायी जा रही प्रौद्योगिकी के साथ तुलनीय है।

29. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों के मद्देनजर और सम्बद्ध देश से निर्यातित और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु के उन्हीं उपभोक्ताओं द्वारा प्रतिस्थापनीयता और एक दूसरे के स्थान पर उपयोग को ध्यान में रखते हुए निर्यातित सम्बद्ध वस्तु और घरेलू तौर पर उत्पादित नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तु माना है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं, आयातकों, निर्यातकों के विचारों को ध्यान में रखते हुए समान वस्तु पाटन, क्षति, कारणात्मक संबंध से संबंधित पहलुओं की जांच अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ विस्तारपूर्वक की जानी चाहिए।

30. इस प्रकार प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच में विचाराधीन उत्पाद के रूप में ग्रीन विनीयर टेप के सभी प्रकार शामिल हैं।

ग. घरेलू उद्योग

घरेलू उद्योग के विचार

31. आयातक ने यह मुद्दा उठाया है कि क्या एक अकेली कंपनी को घरेलू उद्योग माना जा सकता है और यह आरोप लगाया है कि याचिकाकर्ता के पास याचिका दायर करने संबंधी योग्यता नहीं है।

32. यह अनुरोध किया गया है कि वास्तविक प्रक्रिया के लिए कानून में यह अपेक्षित है कि याचिका "घरेलू उद्योग" द्वारा दायर की जानी चाहिए। एक मापदण्ड के अनुसार कोई विनिर्माता जिसका घरेलू उत्पादन में 25% से अधिक हिस्सा हो याचिका दायर करने के लिए पात्र है, यदि कोई और विनिर्माता जिसका घरेलू उत्पादन में उससे अधिक हिस्सा हो इसका विरोध न करे। स्पष्टतः याचिकाकर्ता स्वयं याचिका दायर कर सकता है क्योंकि ऐसी कोई और कंपनी नहीं है जो विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण करती है तथा घरेलू उद्योग के 25% से अधिक उत्पादन करती है।

33. आयातक द्वारा एकाधिकार प्रक्रिया संबंधी दावे भी निराधार हैं। एकाधिकार में कीमत विकृतिकारी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। इसके विपरीत ये जांच उचित व्यापार की स्थिति को बनाए रखने के लिए है। याचिकाकर्ता कीमत में छेड़छाड़ करने में सक्षम नहीं है और वास्तव में उसे ताइवान से निर्यातकों द्वारा की गई अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं का परिणाम भुगतान पड़ा है।

34. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार, 'घरेलू उद्योग का अर्थ है घरेलू उत्पादक जो समान वस्तु के विनिर्माण में तथा उनसे जुड़े किसी कार्य-कलाप में लगे हों अथवा वे जिनका कथित वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात हो सिवाय इसके कि ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा वे स्वयं उनके आयातक हों, इस स्थिति में ऐसे उत्पादक घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं समझे जाएंगे। पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) में उल्लेख है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी उप नियम (1) के अंतर्गत किए गए किसी आवेदन के अनुसरण में तब तक जाँच शुरू नहीं करेंगे जब तक इसमें समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों द्वारा उक्त आवेदन के समर्थन या इसके विरोध की मात्रा की जाँच के आधार पर यह निर्धारित न हो जाए कि यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किया जा रहा है और यह कि यदि आवेदन का समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का उत्पादन घरेलू उद्योग के समान वस्तु के कुल उत्पादन के 25% से कम हो तो ऐसी स्थिति में कोई जाँच शुरू नहीं की जाएगी।

ताईपेई इकोनामिक एण्ड कल्चरल सेंटर के विचार

35. मै0 वाटरप्रूफ कार्पोरेशन प्रा0 लि0, मुम्बई एकमात्र याचिकाकर्ता कंपनी है जो घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व कर रही है। एक अकेली कंपनी को घरेलू उद्योग कैसे माना जा सकता है।

36. याचिकाकर्ता संपूर्ण भारतीय बाजार को एकाधिकार स्वरूप का बनाने का प्रयास कर रहा है। हमारी जानकारी के अनुसार याचिकाकर्ता को बाजार में आए अधिक समय नहीं हुआ है और उनका बाजार हिस्सा 25 से 30% के बीच है शेष हिस्सा आयातकों के पास है। क्या किसी एकाधिकारी कंपनी को सभी घरेलू उत्पादकों की ओर से याचिका दायर करने और सरकार से बाजार में उक्त उत्पाद के प्रवेश को रोकने का अनुरोध करने का अधिकार है? हम महसूस करते हैं कि मै0 वाटरप्रूफ कार्पोरेशन प्रा0 लि0 केवल सरकार की सहायता से पाटन रोधी उपायों का लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि वे बाजार में अन्य उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते हैं। यह जाँच सभी अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के विरुद्ध एकतरफा है।

37. प्रारंभिक जाँच परिणामों के अनुसार जाँच अवधि के दौरान बाजार में माँग में वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप उनके उत्पादन में वृद्धि हुई है। यह रिपोर्ट दर्शाती है कि उन्हें किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। वे भारी लाभ मार्जिन और 100% बाजार हिस्सा प्राप्त करना चाहते हैं। किसी के एकाधिकार से अंतिम प्रयोक्ता उद्योग अर्थात् प्लास्चिड उद्योग के मुकाबले लाभ कैसे मिल सकता है?

प्राधिकारी द्वारा जाँच

38. घरेलू उद्योग की ओर से याचिका मैसर्स वाटरप्रूफ कारपोरेशन प्रा० लि० द्वारा दायर की गयी है। याचिकाकर्ता का दावा है कि याचिकाकर्ता कम्पनी विचाराधीन संबद्ध माल के 100% उत्पादन का प्रतिनिधित्व करता है। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, याचिकाकर्ता के पास पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जाँच करने के लिए मामला दायर करने का आधार है।

39. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं का हिस्सा कुल घरेलू उत्पादन का 50% से अधिक बनता है और इसलिए उनके पास पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) (क) तथा (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने और नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने का भी आधार है।

(घ) सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन:**ताईपेई आर्थिक तथा सांस्कृतिक केन्द्र के विचार**

40. आयातक मै० वाटरप्रूफ कॉर्पोरेशन प्रा० लि० द्वारा उपलब्ध कराई गई गुणवत्ता से संतुष्ट नहीं हैं बल्कि आयातक ताईवान से निर्यातित गुणवत्ता से अधिक संतुष्ट हैं भले ही उक्त भारतीय कम्पनी की सर्वोत्तम गुणवत्ता की अपेक्षा ग्रेड कोई भी हो। कोई भी अंतिम प्रयोक्ता गुणवत्ता से समझौता नहीं करना चाहता है इसलिए उनके पास संबद्ध देश जो कि अंतिम प्रयोक्ता की मांग को पूरा करने के लिए संतोषजनक गुणवत्ता उपलब्ध करा सकता है, के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

41. कीमत उत्पादन लागत के अनुसार एक देश से दूसरे देश में भिन्न-भिन्न हो सकती है। संबद्ध वस्तु की कीमत का निर्णय भारतीय उत्पादन लागत के आधार पर करना अनुचित है क्योंकि यह ताईवान की उत्पादन प्रणाली से अलग है। कारगर प्रबंधन एवं वृहद उत्पादन के कारण ताईवान में उत्पादन की लागत भारत की अपेक्षा कम है अतः ताईवान में कीमत भी निश्चित रूप से कम होगी। याचिकाकर्ता ने सुनवाई के दौरान यह उल्लेख किया था कि ताईवान की उक्त कम्पनी ने इंटरनेट पर जो कीमत दी है वह उनकी उत्पादन लागत से कम है, यदि ऐसा मामला है तो ताईवान के पास उपयोग की अवधि बीतने से पूर्व उत्पाद की स्पष्ट भंडारगत बिक्री करने की प्रणाली है जिसका वस्तुओं के पाटन से कोई लेना-देना नहीं है। इंटरनेट पर सामान्यतः कीमत दी जाती है और न कि बीजक कीमत अतः इसका उपयोग स्पष्ट कीमत के आकलन के आधार के रूप में नहीं किया जा सकता।

घरेलू उद्योग के विचार

42. किसी भी स्थिति में ताईवान के लिए परिकलित सामान्य मूल्य कच्ची सामग्रियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय रूप से उपलब्ध कीमतों पर आधारित होता है। भारतीय लागत का उपयोग केवल ऐसे पहलुओं के लिए किया गया है जिन्हें माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए और नियम 6(8) के आधार पर, जिसमें यह व्यवस्था है कि:

43. "यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या महत्वपूर्ण ढंग से जाँच में अत्यधिक बाधा डालती है तो प्राधिकारी

अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकता है तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकता है ।

44. अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को अविलंब प्रारंभिक शुल्कों की पुष्टि करनी चाहिए ।

45. पाटनरोधी शुल्क की राशि के विशेष संदर्भ में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने केवल क्षति मार्जिन की सीमा तक ही पाटनरोधी शुल्क लगाना उचित समझा है ।

46. जहाँ तक प्लाईवुड उद्योग की दयनीय स्थिति का संबंध है परिणामी प्लाईवुड में टेप की लागत 1% से कम होती है । प्रति रोल लागत को बढ़ाने से केवल सनसनी पैदा होती है और उसका इस कार्रवाई में कोई आधार नहीं है ।

47. इन कार्रवाइयों का प्रयोजन हर हालत में मुक्त व्यापार को बहाल करना है और न कि निर्यातकों और आयातकों पर कोई बोझ डालना । एक ऐसी सर्वमान्य प्रक्रिया है जिसके तहत निर्यातक शुल्क संबंधी कोई देनदारी को पूरा कर सकता है किन्तु उसने इस मामले के तथ्यों के अनुसार ऐसा नहीं किया है ।

48. अवशिष्ट शुल्क का उद्ग्रहण इस माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी की पद्धति और कानून के अनुसार है । कोई अनुचित कार्य नहीं हुआ है जैसा कि आयातक द्वारा आरोप लगाया जा रहा है ।

49. अंतिम जांच परिणाम को अंतिम रूप प्रदान करते समय प्राधिकारी को याचिकाकर्ताओं द्वारा यथा परिकलित पाटन मार्जिन तक शुल्क को बढ़ाना चाहिए । चूँकि निर्यातकों ने पाटन न होने का कोई विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है इसलिए हमारा यह अनुरोध है कि माननीय प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना की पद्धति के आधार पर याचिकाकर्ताओं द्वारा की गई गणना के अनुसार शुल्क को अंतिम रूप प्रदान करें ।

प्राधिकारी की जाँच

50. धारा 9क (i) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :-

51. सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या

52. जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों की वजह से समुचित तुलना नहीं हो सकती हो तो सामान्य मूल्य या तो :-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

53. 'बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।'

चीनी ताइपेई सामान्य मूल्य

54. प्रारंभिक निष्कर्षों के पश्चात, निर्यातक ने प्रारंभिक निष्कर्ष में दर्शाई गई कमियों के संबंध में उत्तर नहीं दिया था । उन्होंने न तो सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया और न ही पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु सामान्य मूल्य के लिए उत्पादन लागत पर विचार करने के लिए इस संबंध में याचिका दायर की । उन्होंने दो भिन्न ग्रेडों की श्रम लागत में अंतर के संबंध में स्पष्टीकरण भी नहीं दिया है तथा दस्तावेजी साक्ष्यों द्वारा अवमूल्यन लागत के लिए विभिन्न ग्रेडों का प्रमाणन नहीं किया गया है । व्यापारिक तथा लाभ तथा नुकसान संबंधी खाते, चालू वर्ष तथा पिछले दो वित्तीय वर्षों के कुल लाभ, बिक्री तथा प्रशासनिक तथा अन्य लागतों तथा निवल लाभों के ब्यौरे दर्शाने वाले तुलन पत्र प्रस्तुत नहीं किए गए हैं ।

55. परिशिष्ट-7 में ग्रेड-बी के संबंध में विस्तृत जानकारी के अतिरिक्त पूर्ववर्ती दो वर्षों के साथ जाँच अवधि के लिए कोटेड पेपर उपलब्ध नहीं कराए गए हैं । चूंकि कम्पनी, जांचाधीन उत्पादों के अतिरिक्त अन्य उत्पादों का विनिर्माण भी कर रही है, उपयोगिताओं तथा सभी अतिरिक्त खर्चों जैसे लागत विनियोजन के आधार पर विस्तृत ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं ।

56. अपेक्षित दस्तावेजों के प्रस्तुत न किए जाने तथा असहयोग के मद्देनजर, प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य परिकलित करने का निश्चय किया है ।

57. निर्यातक द्वारा अपूर्ण उत्तर दायर किए जाने के मद्देनजर, प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर विचार नहीं किया है तथा उपर्युक्त नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है ।

58. अंतिम निष्कर्ष के प्रयोजनार्थ कारखाना द्वार सामान्य मूल्य *** अम0 डा0/वर्ग मी0 ली गई है ।

निर्यात कीमत

59. प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के संबंध में निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी पर परिशिष्ट-2 में विचार किया है। निर्यातक के आयात आंकड़ों की तुलना डीजीसीआई एंड एस, कोलकाता के आयात आंकड़ों के साथ की गई है तथा यह पाया गया कि निर्यातक की निर्यात कीमत डीजीसीआई एंड एस की कीमत से मेल खाती है। प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा पैकिंग, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा तथा नौवहन प्रभावों के आधार पर किए गए समायोजन के दावे पर विचार किया है, जिन्हें स्वीकार कर लिया गया है। प्राधिकारी ने चीनी ताईपेई से भारत को कारखाना द्वार स्तर पर चीनी ताईपेई के सभी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना के प्रयोजनार्थ इन समायोजनों को स्वीकार किया है।

60. अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ कारखाना द्वार निर्यात कीमत *** अम0 डा0/वर्ग मी0 ली गई है।

पाटन - सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना

61. तुलना से संबंधित नियमावली में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

62. " पाटन मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथा संभव उसी समयावधि के दौरान की गयी बिक्रियों के संबंध में की जाएगी जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अंतर में शामिल हैं बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा कोई अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

63. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -I में निहित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों को अपनाने की संगत नीति का पालन किया है। उपर्युक्त सामान्य मूल्यों तथा निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है, जो निम्नानुसार है :-

निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	देश/निर्यातक/ उत्पादक	सामान्य मूल्य (डा0/मी0टन0)	कारखाना द्वार निर्यात कीमत (डा0/मी0टन)	निर्यात कीमत के % के रूप में पाटन मार्जिन
3	चीनी ताईपेई सभी निर्यातक/उत्पादक	****	****	% 135 %

उपर्युक्त पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।

७. क्षति तथा कारणात्मक संबंध:

ताईपेई आर्थिक तथा सांस्कृतिक केन्द्र के विचार

64. प्रारंभिक निष्कर्षों के अनुसार लगाया गया अनंतिम शुल्क 7.46 रुपए/वर्ग मी० है। एक रोल विनियर टेप लगभग 300 मी० का होता है, इसका अर्थ है कि एक रोल पर पाटनरोधी कर अन्य मौजूदा करों सहित 22,380 रुपए होगा, इसलिए एक रोल की समग्र कर कीमत 30,000 रुपए से अधिक होगी। ऐसी उच्च कीमतों पर वस्तुओं की खरीद कौन करेगा? ऐसी स्थिति में कोई आयात नहीं होगा अन्ततः प्रयोक्ता को हानि होगी, उसके सामने स्थानीय उत्पादक से खराब गुणवत्ता की वस्तु खरीदने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा, जिसके परिणामस्वरूप एक अन्य उद्योग अर्थात् प्लाईवुड उद्योग पर असर पड़ेगा।

65. निर्दिष्ट प्राधिकारी तथा याचिकाकर्ता के अनुसार इस जाँच में ताईवान की दो कम्पनियाँ शामिल हैं लेकिन प्रारंभिक निष्कर्ष में ताईवान के सभी निर्यातकों तथा विनिर्माताओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है। ऐसे सभी अन्य संभावित निर्यातकों पर शुल्क लगाया जाना अत्यंत अनुचित है जिन्होंने भारत को कभी भी वस्तु का निर्यात नहीं किया है। यह भारतीय बाजार में ताईवान के सभी उत्पादों को अवरोद्ध करने का बहाना मात्र है, जो अत्यंत अनुचित, तथा ताईवान के उत्पादों के प्रति पक्षपातपूर्ण है। इस प्रकार का व्यवहार भारत द्वारा अपनाए गए मुक्त व्यापार के सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

घरेलू उद्योग का विचार

66. सुस्थापित कानूनी स्थिति यह है कि क्षति नियमावली के अनुबंध-॥ में निर्दिष्ट एक या उससे अधिक संकेतकों के अनुसार निर्धारित की जा सकती है।

67. यद्यपि अनेक विनिर्दिष्ट संकेतकों की जांच की जा सकती है तथापि क्षति के बारे में विनिर्दिष्ट प्रावधानों और सुस्थापित विधिक स्थिति से यह पता चलता है कि क्षति का निर्धारण किसी एक संकेतक से किया जा सकता है भले ही कुछ अन्य संकेतकों से याचिकाकर्ताओं के प्रतिकूल स्थिति का पता न चलता हो।

68. इस मामले में, माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा क्षति पर स्पष्ट रूपेण तथा चुनौती न देने लायक जांच परिणाम प्राप्त हुए हैं जो कि निम्नतः दिए गए हैं तथा प्रारंभिक जांच परिणाम का एक भाग हैं।

69. 2000-2001 तथा जांच अवधि के बीच बाजार हिस्सा 32.08% से घटकर 27.74% हो गया है। पाटित आयातों का बाजार हिस्सा इसी अवधि में 67.92% से बढ़कर 72.26% हो गया है। पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग की मांग का स्थान ले लिया है तथा साथ ही घरेलू उद्योग को जीवीटी के कम कीमत वाले आयातों से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी थी।

70. आयातों की मात्रा 2000-2001 में 12.16% (1448280 वर्ग मी.) से अत्यधिक रूप से बढ़कर जांच अवधि में 203.13% (2941920 वर्ग मी0) हो गई है।

71. घरेलू उद्योग के उत्पादन में मात्रात्मक रूप में वृद्धि हुई है किन्तु जांच अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता का 63.26% का उपयोग नहीं हो पाया।

72. घरेलू उद्योग आय की उचित कीमत अथवा तर्कसंगत दर का निर्धारण करने में असमर्थ रहा। जांच अवधि के दौरान पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में बिक्री कीमत में गिरावट आई है।

73. बाजार हिस्से को बनाए रखने के लिए उत्पादन की लागत से अधिक बिक्री कीमत के साथ-साथ उत्पादन की लागत तथा बिक्री कीमत दोनों में कमी आई है। यह निवेश पर कोई भी आय प्राप्त करने में असमर्थ रही है। इसलिए, घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

74. पाटित आयातों का पहुँच मूल्य डब्ल्यूएसीओ के निवल बिक्री वसूली से काफी कम है। क्षतिरहित कीमत तथा पाटित आयातों के पहुँच मूल्य का अंतर काफी मात्रा में कीमत कटौती प्रदर्शित करता है जिसका घरेलू उद्योग की कीमतों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

75. इस मामले में, पाटन का काफी अधिक मार्जिन स्पष्ट होता है; उन निर्यातकों, जिनके द्वारा किए गए पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है, ने सहयोग नहीं किया है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए वास्तविक घरेलू प्रयोक्ताओं के तथाकथित हितों के आधार पर पाटनरोधी शुल्क की राशि को कम करने अथवा उसे न लगाने के किसी प्रयास से सम्बन्धित अधिनियम और नियम नकारात्मक और निष्प्रभावी बन जाएंगे।

प्राधिकारी द्वारा जांच

76. उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के तहत क्षति के बारे में जब किसी निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में "..... पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा।" कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

77. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जाँच के लिए, हम उपरोक्त नियमों के अनुबंध-II (iv) के अनुसार ऐसे संकेतकों पर विचार कर सकते हैं जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव

हालते हैं, यथा उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन इत्यादि।

78. प्राधिकारी ने घरेलू उत्पादकों के मामले में निम्नलिखित आर्थिक मापदंडों की जाँच की,

भारतीय उत्पादकों द्वारा धारित बाजार हिस्से में परिवर्तन

79. निम्नलिखित तालिका घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा दर्शाती है। देश में कुल मांग की तुलना में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा भी वर्ष 2000-2001 के दौरान 32.08% से घटकर जाँच अवधि के दौरान 27.74% हो गया है।

वर्ष	घरेलू बिक्री (वर्ग मीटर)	कुल मांग (वर्ग मीटर)	% हिस्सा
1999-2000	****	****	23.71%
2000-2001	****	****	32.08%
2001-2002	****	****	27.72%

पाटित आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा

80. जहाँ तक आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी ने वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) कोलकाता द्वारा प्रकाशित संबद्ध वस्तु के आयात के आंकड़ों पर विचार किया है। इसलिए, प्राधिकारी ने संबद्ध देश से आयात के रुझान तथा इसके कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के विश्लेषण के लिए डीजीसीआई तथा एस के आंकड़ों को विश्वसनीय माना है।

81. निम्नलिखित तालिका को देखने से स्पष्ट है कि जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयात पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2000-2001 में -12.16% से पर्याप्त रूप से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 203.13% हो गए हैं। यह स्पष्ट है कि चीनी ताइपेई से वर्ष 2000-2001 के दौरान ग्रीन विनियर टेप के 1448280 वर्ग मीटर के निर्यातों की तुलना में 941920 वर्ग मीटर का निर्यात किया गया था।

जाँच अवधि (अप्रैल 2001-मार्च 2002) के दौरान ग्रीन विनियर टेप के आयातों में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से ग्रीन विनियर टेप के आयात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

वर्ष	संबद्ध देश से आयात (वर्ग मी.)	% बदलाव
1999-2000	1648800	
2000-2001	1448280	-12.16 %
2001-2002	2941920	203.13 %

बाजार हिस्सा और क्षमता उपयोग

82. यह देखा जा सकता है कि याचिकाकर्ता का उत्पादन मात्रात्मक रूप में पूर्ववर्ती वित्त वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अधिक हो गया था लेकिन निम्नलिखित सारणी से यह देखा जा सकता है कि मात्रात्मक रूप में बढ़े हुए उत्पादन के बावजूद उत्पादन क्षमता का 63% से अधिक हिस्सा जांच अवधि के दौरान अप्रयुक्त रहा है। जांच अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि मांग में वृद्धि के कारण हुई। घरेलू बिक्री मांग में वृद्धि के कारण वृद्धि की प्रवृत्ति मालूम होती है लेकिन उद्योग को पाटित आयात के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अलाभकारी कीमत पर अपने उत्पाद की बिक्री करनी पड़ी है।

वर्ष	क्षमता उपयोग(%)	घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा (%)	अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता(%)
1999-00	18.04	23.71	81.96
2000-01	21.10	32.08	78.90
2001-02	36.74	27.74	63.26

वर्ष	मांग	बिक्री
1999-2000	100	100
2000-01	134	90
2001-02	220	174

(सूचीबद्ध आंकड़े)

83. याचिकाकर्ता की बिक्री की मात्रा पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अधिक हुई है। यह भी देखा गया है कि उद्योग वर्ष 2000-01 की कीमत की तुलना में जांच अवधि में कीमत नहीं प्राप्त कर रहा है। संबद्ध देश से आयातों की कीमतों के दबाव के कारण घरेलू उद्योग एक उचित कीमत अथवा एक उपयुक्त आय की दर प्राप्त करने में सफल नहीं रहा है। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री कीमत में गिरावट आई है। वास्तव में यह अनुरोध किया गया है और प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि में प्रति इकाई हानि में भी गिरावट आई है और अभी भी पाटित आयातों से घरेलू उद्योग उपयुक्त कीमत प्राप्त करने के लिए कीमत में विधि सम्मत बढ़ोतरी करने से वंचित हुआ है।

वर्ष	बिक्री मात्रा(वर्ग मी.)	बिक्री मूल्य(रुपए)	इकाई कीमत(रु./मी.टन)
1999-2000	****	****	****
2000-01	****	****	****
2001-02	****	****	****

मांग में बाजार हिस्सा

मांग में हिस्सा	1999-2000	2000-01	जांच अवधि
याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा(%)	23.71	32.08	27.74
पाटित आयातों का हिस्सा(%)	76.29	67.92	72.26

84. उपर्युक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि मांग में याचिकाकर्ता का हिस्सा 32.08% से गिरकर जांच अवधि के दौरान 27.74% हो गया है जबकि चीन ताइपेई से पाटित आयातों का हिस्सा 2000-2001 में 67.92% से बढ़कर जांच अवधि में 72.26% हो गया है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के आयात समंक और बिक्री आंकड़ों का विश्लेषण और जांच की और नोट किया कि पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग की मांग को विस्थापित किया है और साथ ही बाजार पर पकड़ बनाने के लिए ताइवान से ग्रीन वीनियर टेप के कम कीमत के आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा की है।

माल सूची

85. याचिकाकर्ता की माल-सूची मार्च 2001 के अंत तक के 41730 वर्ग मी. से बढ़कर 31.3.2002 तक 64748 वर्ग मी. हो गया जो कि याचिकाकर्ता के उत्पादन के संबंध में बहुत अधिक है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध माल सूची के साथ संयंत्र के कम उपयोग से यह पता चलता है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

रोजगार

86. पूर्ववर्ती दो वर्षों के दौरान याचिकाकर्ता के रोजगार में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

मजदूरी

87. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि मजदूरी का निर्धारण श्रम संबंधी कानूनों के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है क्योंकि मजदूरी को याचिकाकर्ता कंपनियों की वित्तीय स्थिति के अनुसार परिवर्तित नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी ने स्थिति को नोट किया है।

लाभप्रदता

वर्ष	बिक्री मात्रा (लाख रु. में)	बिक्री की लागत (लाख में)	लाभ/इकाई	लाभप्रदता
1999-2000	****	****	****	****
2000-01	****	****	****	****
2001-02	****	****	****	****

88. कच्चे माल की लागत में कमी और क्षमता उपयोग में वृद्धि के कारण वर्ष 2001-02 के दौरान प्रति इकाई हानि में मामूली गिरावट आई है। जांच अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत में गिरावट आई है जबकि बिक्री कीमत में भी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को इस तथ्य के कारण हानि हो रही है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण बाजार में बने रहने के लिए अपने उत्पादन की लागत से कम बिक्री कीमत तक कटौती करने को मजबूर होना पड़ा। उद्योग को कम बिक्री कीमत के कारण वास्तविक क्षति हुई है जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन की लागत वसूल नहीं हुई है और इस प्रकार वित्तीय हानि हुई है।

निवेश पर आय (लगाई गई पूंजी)

89. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, उद्योग हानि पर प्रचालन कर रहा है और इस प्रकार घरेलू उद्योग अपने निवेशों पर कोई आय प्राप्त करने में सफल नहीं रहा है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए जांच अवधि के दौरान निवेश पर आय नकारात्मक है।

कीमत कटौती, कीमत में कमी/ह्रास और कम कीमत पर बिक्री

90. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के साथ तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है या क्या इस प्रकार के आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को उल्लेखनीय स्तर तक कम करना है।

91. प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना निवल बिक्री प्राप्तियों से की है और पाया है कि पाटित आयातों द्वारा कीमतों में भारी कमी की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य को घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्तियों से बहुत कम पाया गया है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें कम करने को बाध्य होना पड़ा ताकि वह संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करके अपने बाजार हिस्से को कायम रख सके।

92. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की भी जांच की कि घरेलू उद्योग ग्रीन वीनियर टेप की बिक्री से हुई हानि के कारण प्रभावित हो रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं क्षति का मूल्यांकन करने के लिए कम बिक्री कीमत एक महत्वपूर्ण संकेतक है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत को निकाला है और कम बिक्री कीमत की सीमा पर पहुंचने के लिए इसकी तुलना पहुंच मूल्य से की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री के महत्वपूर्ण स्तर से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच रही है।

93. याचिकाकर्ता का दावा है कि आयातों का घरेलू उद्योग पर महत्वपूर्ण कमी/ह्रास प्रभाव पड़ रहा था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन आयातों का घरेलू बाजार में कीमतों पर महत्वपूर्ण कमी/ह्रास प्रभाव था, क्योंकि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के मद्देनजर अपनी बिक्री कीमतें नहीं बढ़ा पा रहा था। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत उत्पादन की लागत से कम है जिसके परिणामस्वरूप कमी/ह्रास प्रभाव पड़ा।

94. इस प्रकार उपलब्ध साक्ष्य की जांच यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की बिक्री से क्षति हुई है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती की सीमा का निर्धारण किया है और माना है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती और कीमत अवमूल्यन हुआ है।

वृद्धि

95. यह अनुरोध किया गया और नोट किया गया कि उद्योग में नकारात्मक प्राप्ति और जारी पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग आगे बढ़ने की कठिन परिस्थिति में है क्योंकि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए बेशी उपलब्ध क्षमता है।

96. वे निर्यातक/विनिर्माता जिन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यात नहीं किया है, उपर्युक्त पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत नये निर्यातकों के रूप में समीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं जब कभी वे भारत को निर्यात करते हैं।

क्षति का खतरा

97. जहां तक क्षति के खतरे का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों में निम्नानुसार उल्लेख है:-

वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण तथ्यों के आधार पर किया जाएगा और न कि केवल आरोप, कल्पना अथवा परोक्ष संभावना के आधार पर। परिस्थितियों में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली ऐसी किसी स्थिति का स्पष्ट तौर पर अनुमान लगाया जाना चाहिए और ऐसी स्थिति आसन्नवर्ती होनी चाहिए जिसमें पाटन से क्षति पहुंचेगी। वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी के संबंध में आकलन करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित कारकों पर विचार करेगा:-

- (क) भारत में पाटित आयातों की अत्यधिक वृद्धि दर जिससे आयातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना प्रदर्शित होती हो;
- (ख) किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए निर्यातक की पर्याप्त मुक्त रूप से निपटान योग्य क्षमता अथवा उसमें तत्काल पर्याप्त वृद्धि जिससे भारतीय बाजार को अत्यधिक संवर्धित पाटित निर्यातों की संभावना प्रदर्शित होती हो;
- (ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं जिनमें घरेलू कीमतों में अत्यधिक गिरावट या कमी आएगी और जिनसे आगे और आयात हेतु मांग बढ़ने की संभावना होगी; तथा
- (घ) वस्तु सूचियों की जांच की जा रही हो।

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों से घरेलू बाजार में कीमतों में भारी कटौती हो रही है जिसका विश्लेषण व्यापक रूप से पूर्ववर्ती पृष्ठों में किया गया है। याचिकाकर्ता ने बेशी क्षमता और आयातों के साक्ष्य के बारे में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए हैं। प्राधिकारी के पास निर्यातकों के पास उपलब्ध बेशी क्षमता के बारे में पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। इस प्रकार प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति के खतरे का पता लगाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं है जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया है।

क्षति के बारे में निष्कर्ष

99. उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही क्षति के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचते हैं-

- (क) संबद्ध देश से हुए आयातों में संपूर्ण रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- (ख) संबद्ध देश से हुए आयातों में भारत में ग्रीन वीनियर टेप की मांग के संबंध में वृद्धि हुई है।
- (ग) आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है।
- (घ) पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी कमी आई है जिसके फलस्वरूप वित्तीय हानियां हुई हैं।

- (क.) याचिकाकर्ता कीमत में कमी/ह्रास का सामना कर रहा है क्योंकि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से कम है ।
- (घ.) याचिकाकर्ता को कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ रही है क्योंकि संबद्ध वस्तुओं की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत से कम है ।
- (ङ.) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।
- (ज.) क्षति के खतरे का कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं है ।

कारणवत्त्व संबंध

100. प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देश से आयातों की बढ़ती हुई मात्रा के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है । ग्रीन विनीयर टेप के आयात के फलस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री संविदा में कमी आयी है और इससे घरेलू रूप से उत्पादित ग्रीन विनीयर टेप की मांग भी कम हो गयी । वास्तव में पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई जिससे घरेलू उद्योग अपनी कीमतें कम करने के लिए बाध्य हुआ । इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग अपनी उचित बिक्री कीमत को वसूल करने की स्थिति में नहीं था, अतः उसे हानि उठानी पड़ी, इसलिए घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के कारण हुई थी । घरेलू उद्योग को क्षति संबद्ध देश से समान वस्तु के पाटित आयातों के परिणामस्वरूप हुई है ।

101. घरेलू उद्योग संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा ग्रीन विनीयर टेप के पाटन के कारण क्षति का सामना कर रहा है । संबद्ध देश से आयातों में वृद्धि का कीमतों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा था । इसके फलस्वरूप जहां एक ओर आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों को कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा है । मांग में कोई कमी नहीं है । अपितु मांग में वृद्धि हुई है । इसके अतिरिक्त, व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार अथवा प्रौद्योगिकी में विकास जैसे कोई कारक नहीं हैं जिनसे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

102. प्राधिकारी का मानना है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाई जा सके जो देश के सामान्य हित में है ।

103. प्राधिकारी यह भी स्वीकार करते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है, किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी । इसके अतिरिक्त, पाटनरोधी उपायों से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा, घरेलू उद्योग के ह्रास को रोका जा सकेगा और इस प्रकार संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे ।

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देश से आयात किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होंगे और उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता भी प्रभावित नहीं होती ।

105. प्राधिकारी ने समुचित बिक्री कीमत के बारे में याचिकाकर्ताओं के अनुरोधों के बारे में याचिकाकर्ताओं के अनुरोधों पर विश्वास ही नहीं किया अपितु प्राधिकारी ने ग्रीन विनीयर टेप की लागत तथा विनिर्माण प्रक्रिया की मौके पर जांच तथा सत्यापन करने के लिए एक दल को भी नियुक्त किया तथा घरेलू उद्योग के लिए भारत में संबद्ध वस्तु की उचित बिक्री कीमत का विस्तार से आकलन किया ।

106. उपभोक्ताओं ने ये तर्क दिए हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू करने से ग्रीन वेनियर टेप के उपभोक्ताओं के लिए प्रतिस्पर्धा कम हो जाएगी तथा कीमतें अधिक हो जाएंगी और इससे प्रयोक्ता उद्योग को नुकसान हो सकता है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनुचित व्यवहार पर आधारित कीमत संबंधी लाभ न्यायोचित नहीं है और ये अन्ततोगत्वा उपभोक्ता के हित को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं ।

च. निष्कर्ष:

107. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि:

- (i) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (iii) उक्त क्षति संबद्ध देश से आयातों के कारण हुई है ।

108. प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए संबद्ध देश से ग्रीन वेनियर टेप के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं । प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन को उपर्युक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है । प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर या इससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करते हैं, जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी ।

109. तदनुसार, प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि संबद्ध देश के मूल का अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क शीर्ष 48.11, 4811.4900, 48.23 और 4823.1900 के अंतर्गत आने वाले ग्रीन विनियर टेप के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा, जैसा कि नीचे निर्धारित है, पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कॉलम सं0 9 में उल्लिखित राशि और नीचे उल्लिखित संबद्ध देश के मूल का अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 48 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर प्रति वर्ग मी0 आयातों के पहुँच मूल्य का अंतर होगा:-

क्र. सं.	उप-शीर्ष	माल का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	48.11, 48.23 4811.4900, 4823.1900	ग्रीन वेनियर टेप	सभी ग्रेड	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	0.13334	वर्ग मी.	अमरीकी डालर
2	48.11, 48.23 4811.4900, 4823.1900	ग्रीन वेनियर टेप	सभी ग्रेड	चीनी ताइपेई के अलावा कोई देश	चीनी ताइपेई	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	0.13334	वर्ग मी.	अमरीकी डालर
3	48.11, 48.23 4811.4900, 4823.1900	ग्रीन वेनियर टेप	सभी ग्रेड	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई के अलावा कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	0.13334	वर्ग मी.	अमरीकी डालर

110. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे।

111. उपर्युक्त के अधीन, प्राधिकारी दिनांक 23 मई, 2003 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

112. इस आदेश के विरुद्ध याचिका उपर्युक्त अधिनियम के अनुसार सेसटेट (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा कर और अपीलीय न्यायाधिकरण) के समक्ष की जाएगी

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th December, 2003

Final Findings

Subject : Anti-dumping investigation concerning import of Green Veneer Tape originating in or exported from Chinese Taipei—Final Findings

F. No. 14/50/2002-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a petition filed by M/s Waterproof Corporation Pvt. Ltd., on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Green Veneer Tape originating in or exported from Chinese Taipei (hereinafter referred to as subject country).
 - ii) The Authority issued a public notice dated 27th December, 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under custom Code 48.11, 4811.4900, 48.23, and 4823.1900 Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Chinese Taipei.

- iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of subject goods from Chinese Taipei.
- iv) The Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry to the extent considered necessary;
- v) The Designated Authority notified preliminary findings vide Notification No. 14/50/2002-DGAD dated the 23rd May, 2003 with regard to Anti Dumping investigations concerning imports of Green Veneer Tape originating in or exported from Chinese Taipei, and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
- vi) The Authority forwarded a copy of the Preliminary Findings to known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the Preliminary Findings within forty days of the date of its publication.
- vii) The Authority also forwarded copy of the Preliminary Findings to the Embassies/High Commissions/Trade Organisations of subject country in New Delhi with a request to furnish their views on the Preliminary Findings;
- viii) The Authority held a public hearing on 5th August 2003 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry, importers and users. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions thus received from interested parties have been considered by Designated Authority in these finding;
- ix) The cost of production of the domestic industry was also analysed to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) based on the information furnished by petitioner so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry. The cost of production data of the petitioner company was considered and examined appropriately.

- x) The foregoing submissions made by the interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and have a bearing upon the case, have been examined, considered and dealt with at appropriate places in these findings.
- xi) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7);
- xii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- xiii) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2001 to 31st March 2002;
- xiv) **** in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY

2. The only producer of GVT in India is M/s. Waterproof Corporation Pvt. Ltd. It has more than adequate capacity to meet the current demand in the country.
3. GVT is used for the manufacture of veneer. It is used for binding the wet sheets of extremely fine wood and minimize the wastage. The tape is manufactured in extremely large rolls, which are then slit into the desired lengths and breadths. The tape is used as production aid in the manufacture of veneer sheets from logs. It is used as a measure for edge banding while peeling the logs.
4. This product is also imported in jumbo rolls, which is being dumped in the Indian market by the exporters from Taiwan. It is available in size 1.08m X 3000 meters reel. These reels are slit to smaller sizes (widths and length) by the importers and sold to consumers.
5. The exporters claims that there are primarily two differences first, the material coming in to India is B Grade, as opposed to the A Grade sold in

all other markets, including in Taiwan. Second, the material sold in India is in "economy" size rolls (which are full width jumbo rolls not cut to final size). The exporter claims that the material concerning to India is of "B" grade, while the importers claim that the imported tape is of better quality.

6. The Domestic industry manufactures tape from imported paper and imported acryl-amide, which is the essential ingredient of the glue. Both amount for roughly 75% of the cost of production. If such vital and large inputs are imported, there is no way that Indian product is substandard.

7. It is a matter of fact that pursuant to an order of the Hon'ble Supreme Court, log felling is at a virtual stand still in India and only imported logs are used for manufacturing veneer. Thus, Indian wood is no different from the wood used globally, thus the tape required cannot differ.

8. The petitioner submits that there is no known gradation of "A" and "B" in this product in the industry. The exporter claims that they do not sell grade "B" in any other market except India. Additionally it is submitted in our earlier communication dated April 16, 2003 from an extract from the website of the Exporter, it is clear that there is no "B" Quality tape being offered by them in their product range. It is clear and apparent that defence has been specially created for these proceedings.

9. To sum up, it is factually correct that there are no different grades of GVT known or produced anywhere. As such, it should be clear that the nomenclature of Grade "B" is being used merely to mask dumping activity. The exporter has also not come forward with any international specifications in recognition of Grade "B" material.

10. The importers additionally claim that their product is not like article as it is imported in jumbo rolls. The fact is that all they do is slit the rolls into tape and claim that the product differs. This clearly cannot be the determining standard for the product under consideration and like article.

11. Elsewhere in their submissions the importers claim Domestic Industry status as they are in the business of "manufacturing" the Product Under Consideration since they slit the tape to size. Thus they opportunistically take contrary stance i.e. that their product is not "like article" and that they qualify as Domestic industry.

12. The importer is not well versed and confused with the proceedings conducted under anti dumping for the reasons that an industry in general means a group of companies and not a single company. It is a clear finding

made by the Hon'ble Designated Authority in its preliminary finding that the petitioner being the only producer of the product under consideration has complied with the Rule 5(3) of the anti dumping rules.

13. In the context of initiations, universally (including in India) it is recognized that even one industry, which meets the prescribed criteria, can on its own make an application for initiation. Universally (and in India), there have been numerous proceedings initiated on the application of a single industry which satisfies the prescribed criteria.

VIEWS OF IMPORTER - M/s. KIRAN TRADING CO.

14. An industry in general term specifies to be a group of companies dealing in a particular line of product or products. But, in the case of Green Veneer Tape, anti dumping duty has been proposed to be imposed on petition filed by a single domestic industry which also constitutes 100% of the domestic industry.

15. As specified by the petitioner on the hearing that 75% of its raw materials are imported i.e., paper and glue and process done in India (Glue & Paper mixed and smaller cut rolls prepared), while we import Green Veneer Tape in complete form i.e., in Jumbo Rolls form and then slit in India and transform into smaller cut rolls to be used in plywood industry. The whole of raw materials is imported by petitioner for Green Veneer Tape then how the petitioner could be termed as Domestic Industry and propose for anti dumping duty.

16. The margin of anti dumping duty would insignificantly raise the cost of Green Veneer Tape to a level much above the one to be digested by its users. This would raise the cost of production for users leading to the rise in the cost of end product affecting the general masses. The quantum of anti dumping duty proposed to be imposed would not only result in higher prices for consumers but also harm the domestic plywood industry and also would restrict the imports of Green Veneer Tape completely from Chinese Taipei.

VIEWS OF EXPORTERS

17. Grade 'A' Green Veneer tape sticks in all types of veneer produced from logs of any region whereas Grade 'B' is suitable only for veneer produced from logs of South Asian Region i.e, countries like India, Burma, Cambodia, Vietnam etc.

18. The paper quality in Grade 'A' is much better than 'B' Grade paper whereas paper in Grade 'B' is lower in quality as compared to Grade 'A'. Grade 'A' is ready to use cut roll as desired by importers whereas Grade 'B' is not cut roll as cutting needs high labour, which is very expensive in Taiwan.

19. At the time of cutting Grade 'A' Green Veneer Tape, wastage is very low because high amount of heat can be given as the good quality paper will not burn while drying, which makes cutting easy and less wastage whereas wastage is very high at the time of cutting Grade 'B' Green Veneer Tape due to thin patches of glue, which are not dry properly as high heat cannot be given to dry up the glue because of lower quality paper. The undried patches glue many times stick on the upper layer of GVT at the time of winding. During unwinding of rolls for slitting, small patches of upper layer & lower layer stick with each other which caused the paper to tear off, thus resulting high wastage.

20. Grade 'B' Green Veneer Tape is suitable for Indian woods. India peels 0.38mm width of face Veneer which is very high labour intensive and not done any where in other countries (general is 0.65mm to 0.75mm in other countries). This means that the type of tapes supplied to India would have to be 'B' grade tape as the tape has to withstand the tear of a very low/thin width of woods in comparison to other countries. Thus the quality of 'B' grade is supplied which is best suitable to Indian Veneer. The uncut grade 'B' is supplied to India because the average veneer production per industry is very low as compared to other countries. Our 50 veneer production unit will be equivalent to one whole Indian factory production. Therefore the demand for each unit in India is very low and each factory needs different sizes in small quantum, which is impossible for us to match each factory specific demand. There is a demand in Indian market and our 'B' grade quality is still better than the quality of Indian domestic Manufacturers,

EXAMINATION OF THE AUTHORITY

21. The product under consideration is Green Veneer Tape. It is also known as gummed paper reels mainly imported in jumbo rolls. It is used as a production aid in the manufacture of veneer sheets from logs and also used for edge bending while peeling the logs. This item is specifically used as an edge protection-bonding medium, which in turn reduces the wastage of veneer during the time of peeling, drying, handling and processing to make it into plywood. It has been imported under Chapter 48 of Customs Tariff Act. The classification sub-headings 48.11, 4811.4900, 48.23, and

4823.1900 suggest description as Green Veneer Tape. The classification is, however indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

22. The importers/exporters have described the product as coated paper of 'B' Grade, which have been exported to India. They have further stated that the manufacturers in India convert 'B' Grade coated paper into Green Veneer Tape 'B' Grade after further processing of slitting, cutting, packaging etc. The exporter has claimed that Grade 'B' Coated papers are different from Grade 'A' Green Veneer Tapes, which are not sold in the domestic market as well as exported to third countries. The main difference in these two grades is the quality of raw materials and as such the raw material cost for Grade 'A' is much higher than the Grade 'B' due to the variation in cost of glue and paper. On account of the higher cost of paper and glue, additional labour intensive processes of cutting, sorting and finishing, higher packaging costs and higher marketing costs, the total cost of 'A' Grade tapes is much higher than that of 'B' Grade coated paper exported to India. The petitioner has not furnished any information/evidence regarding the Grade 'B' Veneer Tape, rather they manufacture only one type of Green Veneer Tapes which is used as the production aid in manufacture of Veneer sheets from wooden logs and also used for edge binding while peeling the logs.

23. The petitioner has argued that the jumbo rolls imported from Taiwan are not different from the product Green Veneer Tapes manufactured and sold by them. The importers are bringing the finished products in jumbo rolls of about 1.08 meters width and 3000 meters length and thereafter cut them into sizes as per the requirement of the customers. The core manufacturing area is the production of jumbo rolls. This virtually entails the whole investment in production from sizing and cutting of paper into required rolls, making of glue as per requirement, coating of glue on the base paper, drying of glue on base paper and finally cutting, slitting and customer bound packaging. The importers do cut the imported jumbo rolls into sizes as per customer's requirement whereas the petitioner also manufactures the jumbo roll and then cuts and sales the same as per customer requirement, having the similar manufacturing process and technology.

24. The petitioner stressed that there is no gradation of Green Veneer Tape and they have failed to produce evidence of such a Grade 'B' in any other part of the World. The petitioner further argued that the exporter would not be able to cover the cost of base paper in the international market at the price the subject goods are exported into India. The Authority examined the submissions of the exporter and notes that the exporter

themselves has clarified that the Grade 'B' variety of Green Veneer Tapes are only exported to India, it is neither sold in their domestic market nor exported to third countries.

25. As regards coated paper Grade 'B', the Authority has considered the view expressed by the petitioner, exporters and importers/users. Rule 2 (d) of Anti Dumping Rules defines the like article as,

"like article means an article which is identical or like in all respect to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

26) As regards the arguments of exporter and importer that the imported product is not identical or alike in all respect to the article under investigation, the Authority notes that the petitioner has stated *inter-alia* that there is a great amount of substitutability between the two grades of Green Veneer Tapes and there is a close resemblance in terms of Characteristics of domestically produced Green Veneer Tape and imported Grade 'B' coated paper which is used by the plywood industries. On the basis of evidence furnished both by the petitioner and importer/exporter, the Authority is constrained to establish that Green Veneer Tape produced by the domestic industry is not identical or alike in all respects to Grade 'B' coated paper, the product under consideration.

27. From the documentary evidence provided by the domestic industry regarding the sales of Green Veneer Tape to the user industry, which have been verified during the course of verification of costing and sales, it was established from their sales and excise register that plywood industry is using the domestically manufactured Green Veneer Tapes which in turn also use imported Green Veneer Tapes as claimed by them. The user industry has also confirmed in their submissions that imported Green Veneer Tapes are used in the plywood industry for an edge protection-bonding medium, which in turn reduces the wastage of veneer during the time of peeling, drying, handling and processing to make it into plywood. The Authority notes that the one form has been imported and consumed whereas the other form, which is manufactured by domestic industry, is being consumed establish technical and commercial substitution of the two grades.

28. Therefore there is no significant difference in Green Veneer Tape produced by the Indian industry and Green Veneer Tape exported from Chinese Taipei. Green Veneer Tape produced by the Indian industry and

imported from Chinese Taipei, are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Green Veneer Tape produced by the petitioner and imported from Chinese Taipei should be treated as like articles in accordance with the anti dumping Rules. The petitioner submits that the technology adopted by the Indian industry is comparable with the technology adopted by the manufacturers of Green Veneer Tape from Chinese Taipei.

29. The Authority in view of the submissions made by the petitioner and other interested parties thereby keeping in view of substitutability and interchangeability by the same consumers of the subject goods, exported from subject country and those produced by the domestic industry, considers the subject goods exported and domestically produced subject goods as like article as per Rule 2 (d) Supra.

30. Therefore, the Authority notes that the investigation covers all grades of Green Veneer Tapes as product under consideration.

C. DOMESTIC INDUSTRY

VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY

31. The importer has raised an issue as to whether a single company be considered as a domestic industry and alleges that the petitioner does not have the standing to file the petition

32. It is submitted as for the actual proceeding, the law requires that the petition must be filed by "domestic industry". As a bar, a manufacturer having above 25% of the domestic production is qualified to bring the petition, unless another manufacturer with a larger percentage of the domestic production opposes him. Clearly the petitioner can bring the petition on its own, as there is no other company which manufactures the product under consideration and also more than 25% of the domestic production.

33. The claims of monopoly practice made by the importer are also baseless. A monopoly inherently involves price distorting practices. On the contrary, these proceedings are to restore fair trade. The petitioner has no ability to manipulate prices at all and has in fact has remained at the

receiving end of the unfair trade practices adopted by the exporters from Taiwan.

34. As per Rule 2(b) of the Anti Dumping Rules, "domestic industry means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry." Further Rule 5(3) of the Anti Dumping Rules states that Designated Authority shall not initiate any investigations pursuant to an application made under sub rule (1) unless it determines on the basis of an examination of the degree of support for, or opposition to the application expressed by domestic producers of the like product that the application has been made by or on behalf of the Domestic Industry provided that no investigation shall be initiated if domestic producers expressly supporting the application account for less than 25% of the total production of the like article by the Domestic Industry.

VIEWS OF TAIPEI ECONOMIC AND CULTURAL CENTRE

35. The petitioner is comprised of only one company M/s. Waterproof Corporation Pvt. Ltd., Mumbai, representing as Domestic Industry. How can a single company be considered as a domestic industry?

36. The petitioner is trying to monopolize the whole Indian market. According to our information, the petitioner came into existence in the market not for a long time and their market share is about 25 to 30% rest are shared by importers. Does the monopoly company has the right to file a petition on behalf of all domestic producer and request the government to stop entering the said product into the market? We feel that M/s. Waterproof Corporation Pvt. Ltd., is just trying to take advantage of anti dumping measures with the help of government because they can not compete with other producers in the market. This investigation is one company against all other producers and exporters.

37. According to preliminary findings, demand in the market increases during the period of investigation, as a result there is an increase in their production. This report shows that they do not suffer any type of injury. They just want to have a huge profit margin and 100% market share. How can one monopoly's profit against end-users industry i.e., plywood industry.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

38. The petition has been filed by M/s. Waterproof Corporation Pvt. Ltd., on behalf of the domestic industry. The petitioner claims that the petitioner company represents 100% of the production of the subject goods under consideration. As per the evidence available petitioner has the standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per rule 5 of Anti Dumping Rules.

39. The Authority also notes that the petitioner constitutes more than 50% of the total domestic production and therefore have the standing to file the petition on behalf of the domestic industry as per Rule 5 (3) (a) and (b) of the Anti-Dumping Rules and also represent Domestic Industry in terms of Rule 2(b)

D. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN:

VIEWS OF TAIPEI ECONOMIC AND CULTURAL CENTRE

40. The importers are not satisfied with the quality provided by M/s. Waterproof Corporation Pvt. Ltd., they are more satisfied with the quality exported from Taiwan regardless of any grades then the best quality from the said Indian company. No end-users wants to compromise on quality, therefore they have no other choice, but to import from the subject country, which can provide a satisfactory quality to meet end-user's demand.

41. The price can be differing from one company to another depending on the production cost. It is unfair to judge the price of the subject goods on the basis of the Indian production cost, as it is different from Taiwan's production system. Owing to effective management & mass production, the cost of production in Taiwan is cheaper than in India, definitely price will be lower in Taiwan. The petitioner pointed out in the hearing that the said Taiwan Company had given their price in the Internet that is lower than their cost of production, if that is the case, Taiwan has a system of clean inventory sale before the product expiry date, which has nothing to do with dumping goods. Normally Internet published price, not the invoice pricing cannot be used as a base to judge the precise pricing.

VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY

42. In any event, the normal value as constructed for Taiwan is based on internationally available prices for raw materials. Indian costs have only been used for aspects which can only be obtained directly by the Hon'ble

Designated Authority. In view of this and based on Rule 6(8) which provides that:

“in a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances”.

43. It is submitted that the Hon'ble Designated Authority should confirm the preliminary duties without any delay.

44. With particular reference to the quantum of the anti dumping duty it must be clarified that the Hon'ble Designated Authority in its wisdom has deemed it appropriate only to impose anti dumping duty to the extent of the injury margin.

45. The cost of the tape in the resultant plywood is less than 1%. Inflating the cost per roll is mere sensationalism and has no basis in this proceeding.

46. In any event, the purpose of these proceedings is to restore free trade and not cast any burden on the exporter and importers. There is an unequivocal process by which the exporter can discharge any duty liability, but has opted not to do so on the facts of this case.

47. Levying a residual duty is as per the practice of this Hon'ble Designated Authority and the law. There is nothing unfair as is being alleged by the importer.

48. The Authority, while finalizing the final finding should enhance the duty to the dumping margin as calculated by the petitioners. Since the Exporters have not furnished any credible evidence of non dumping, it is, therefore, requested that the Hon'ble Designated Authority should finalize the duty on the basis of the calculation arrived by the petitioners on the basis of the best information available route.

EXAMINATION OF THE AUTHORITY

Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:-

49. The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or

territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

50. When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either: -

- (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) The cost of production of the same article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Normal Value – Chinese Taipei

51. Subsequent to the preliminary findings the exporter did not respond to the deficiencies pointed out in the preliminary finding. They also neither participated in the public hearing nor filed their written submissions to that effect for considering their cost of production for the normal value for determination of dumping margin. They also did not clarify the difference in the cost of labour for two different grades and the depreciation cost for different grades and did not substantiate with the documentary evidence. The trading and profit and loss accounts, balance sheets for the current year and previous two financial years showing the determination of gross profit, details of selling and administrative and other costs and net profits are not submitted.

52. In Appendix 7, in addition to detailed information for the Grade 'B' coated paper for the POI along with the preceding two years is not

furnished. As the company is manufacturing other products in addition to the products being investigated, detail explanation with basis of allocation of cost like utilities and all elements of overheads are not furnished.

53. In view of the non-submission of the required documents and non cooperation, the Authority decided to construct the normal value for all exporters of Chinese Taipei on the basis of facts available as per Rule 6(8) Supra.

54. In view of the inadequate response filed by the exporter, the Authority has decided not to take into account information furnished by the exporter and relied on the facts available as per Rule 6 (8) Supra.

55. The ex-factory normal value is referenced as ****US\$/Sq.mt. for the final findings.

Export Price – Chinese Taipei

56. The Authority has considered the information regarding the export price furnished by the exporter in Appendix 2. The import statistics of the DGCI&S Kolkata has also been compared with the exporters' submission and it was found that the export price of the exporter corresponds to the DGCI&S. The Authority has also considered the adjustments as claimed by the exporter on account of packing, overseas freight, overseas insurance, and shipping charges which have been allowed. The Authority has accepted these adjustments for the purpose of calculating the net export price for all the exporters from Chinese Taipei to arrive at ex-factory level from Chinese Taipei.

57. The ex-factory export price is referenced as ****US\$/Sq.mt. for the final findings.

DUMPING-Comparison of Normal Value & Export Price

The rules relating to comparison provides as follows:

58. "While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade,

quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.”

59. The Authority has followed the consistent policy of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I of the Anti Dumping Rules. Based on the Normal values and Export prices as indicated above the Authority assessed the Dumping Margins in case of all exporters/Producers from the subject countries as given in the table below:-

The dumping margin for exporter/producers comes as under:

Sl. No.	Country/ Exporter/Producer	Normal Value (\$/MT)	Ex-Factory Export price (\$/MT)	Dumping Margin as % of EP
3	Chinese Taipei All exporters/producers	****	****	135%

The above Dumping Margins are above the de-minimus limits.

E. INJURY AND CAUSAL LINK:

VIEWS OF TAIPEI ECONOMIC & CULTURAL CENTRE

60. According to the preliminary findings, the provisional duty impose was Rs. 7.46/Sq. Mtr. One roll veneer tape is usually around 3000 meters, that means anti dumping tax in one roll would be Rs. 22, 380 plus other existing tax, therefore the over all tax price of one roll would be more than Rs. 30, 000. How would any one buy the goods in such a high price? In such a situation there will not be any import, ultimately the end user will suffer, leaving them no choice but to buy from the local producer with which they have to compromise with the bad quality, and finally affect another industry i.e., plywood industry.

61. According to Designated Authority and petitioner, two Taiwan companies are involved in this investigation but in the preliminary findings, provisional duty has been imposed to all exporters and manufacturers from Taiwan. It is very unfair to impose duty to all other potential exporters who have never exported the goods to India. It is just an excuse to block all Taiwan products into Indian market, which is very unfair, and

discrimination of Taiwan product. This practice violets the principle of free trade that India holds.

VIEWS OF DOMESTIC INDUSTRY:

62. It is settled legal position that injury could be found on any of one or more of the indices specified in Annexure II to the Rules.

63. While an examination of several specified indices may be made, the specific provisions as to injury as also the settled position in law indicate that injury may be found from any one indice even though some of the other indice may not indicate a position adverse to the petitioners.

64. In the present case, there are clearly and unchallenged findings on injury verified by the Hon'ble Designated Authority which are listed as under and forms part of the preliminary findings:

65. Market share has decreased from 32.08% to 27.74% between 2000-2001 and POI. Market share of dumped imports has increased from 67.92% to 72.26% in the same period. Dumped imports have displaced the demand of the domestic industry and at the same time domestic industry had to compete with low priced imports of GVT.

66. Quantum of imports has significantly increased from 12.16% (1448280 sq. mt) in 2000-01 to 203.13% (2941920 sq. mt.) in POI.

67. There is a increase of production of domestic industry in quantitative terms, but 63.26% of production capacity remained unutilized during POI.

68. Domestic industry is not able to realise a fair price or reasonable rate of return. Sales price has decreased during POI as compared to previous financial year.

69. There is a decrease in both cost of production and selling price, with selling price higher than cost of production in order to retain market share. It has not been able to earn any return on investments. Therefore, domestic industry has suffered material injury.

70. Landed value of dumped imports significantly lower than net sales realization of WACO. Difference between Non Injurious Price and Landed Value of dumped imports indicates a significant level of incidence of price undercutting, which has a depressing effect on prices of domestic industry.

71. In the present case, there is clearly a very high margin of dumping; the exporters who have caused material injury by their dumping have chosen not to cooperate. In these facts, any attempt to dilute or hijack the imposition of duty based on the so called interests of domestic actual users would render the entire act and rules nugatory and otiose.

Views of Importer - M/s. Binicom Products Pvt. Ltd., Kolkata

72. The domestic manufacturers are not competent enough to meet the total demand of the veneer industry in India.

73. If import is banned or taxed abnormally our industry will suffer drastically and the consumers like us who are very small will be affected too much.

74. Any imposition of extra duty on imported material is acceptable provided it is reasonable and does not hamper the running business of Indian industry who are buying a very costly timber logs from abroad and the purpose of the tape is only to bind the edges of the veneers to make it suitable.

75. If there is no competition it is obvious the only industry in India will detect their prices in their own way and ultimate sufferer will be Indian industry as a whole.

76. This connection will prove from their earlier product i.e., Dry Gum Tape when they had monopoly and thereafter many Indian manufacturers have come in the market with their product and forced the earlier industry to compete with them and the consumers are getting at reasonable price. As such until and unless few other manufacturers come for this contended material.

EXAMINATION OF THE AUTHORITY:

77. Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in

India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

78. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, we may consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

79. The Authority examined the following economic parameters in the case of domestic producer,

Changes in Market Share held by the Indian Producers.

80. The table below shows that the market share of domestic industry in comparison to the total demand in the country has decreased from 32.08% in 2000-2001 to 27.74% during the POI.

Year	Domestic Sales (Sq. M)	Total Demand (Sq. M)	% share
1999-00	****	****	23.71
2000-01	****	****	32.08%
2001-02	****	****	27.72%

Volume and market share of dumped imports

81. Regarding the quantum of imports, the Authority has considered the statistics of imports of subject goods published by the Director General of Commercial Intelligence and statistics (DGCI&S), Kolkata. Therefore the Authority has relied upon the DGCI&S data for analysing the import trend from the subject country and injury caused to the domestic industry on this account.

82. It is seen from the following table that the imports from the subject country have increased substantially from -12.16% in 2000-2001 to 203.13% during the POI. It is evident that during the POI (April 2001 – March 2002) 2941920 Sq. Mt. of Green Veneer Tape were exported by Chinese Taipei compared to 1448280 Sq. Mt. during 2000-2001. The imports of Green Veneer Tape have increased significantly in absolute terms also. The Authority, therefore, notes

that there is a significant increase in imports of Green Veneer Tape from the subject country.

Year	Imports from Subject Country (Sq. M)	% Change
1999-2000	1648800	
2000-2001	1448280	-12.16%
2001-2002	2941920	203.13%

Market Share & Capacity Utilization

83. It may be seen that the production of the domestic industry went up in quantitative terms during the POI over the preceding finance year but it is observed from the following table that despite increase in production, there has been more than 63% of production capacity remained unutilised during the POI. The production has increased during the POI due to the increase in demand. The domestic sale is showing a increasing trend due to the increase in demand in 2001-2002 compared to 2000-2001, but the industry had to sale their product at unremunerative price to compete with the dumped import.

Year	Capacity Utilization (%)	Domestic Industry Market Share (%)	Unutilized Production capacity (%)
1999-00	18.04	23.71	81.96
2000-01	21.10	32.08	78.90
2001-02	36.74	27.74	63.26

Year	Demand volume	Sales volume
1999-2000	100	100
2000-2001	134	90
2001-2002	220	174

(Indexed figure)

84. The volume of sales of the domestic industry went up during the POI over the preceding financial year. It is also observed that the industry is not realizing the price in the POI as against the price in 2000-2001. Because of the pressure on prices from imports from subject country, the domestic industry is not able to realize a fair price or a reasonable rate of return. The selling price has decreased in the investigation period as compared to the previous year. The Authority notes that loss per unit has also decreased in

the investigation period and further dumped imports have prevented the domestic industry from effecting legitimate price increase to realise a reasonable price.

Year	Sales Volume (Sq.M)	Sales Value (Rs.)	Unit Price (Rs./M)
1999-2000	****	****	****
2000-2001	****	****	****
2001-2002	****	****	****

Market Share in Demand

Share in demand	1999-2000	2000-2001	POI
Market Share of petitioner (%)	23.71	32.08	27.74
Share of dumped imports (%)	76.29	67.92	72.26

85. From the above table it is evident that the share of the petitioner in demand has decreased from 32.08% to 27.74% during the POI whereas share of dumped imports from Chinese Taipei has increased from 67.92% in 2000-2001 to 72.26% in the POI. The Authority has analysed and examined the import statistics and sales figure of the petitioner and noted that the dumped imports have displaced the demand of the domestic industry at the same time had to compete with the dumped imports of Green Veneer Tape from Taiwan to hold the market. The Authority, therefore, notes that the domestic industry is not able to realise a reasonable price.

Inventories

86. The inventory of the domestic industry has increased from 41730 Sq. M at the end of March 2001 to 64748 Sq. M. as on 31.03.2002, which is very high in relation to production of the petitioner. The Authority notes that the under utilization of the plant along with the high inventory available with the petitioner, demonstrates that the dumped imports are causing injury to the domestic industry.

Employment

87. There has been no increase in the employment of the petitioner during the previous two years. Therefore, the Authority can not conclude that the trend in employment has lead to injury to the domestic industry.

	1999-2000	2000-2001	POI
Employment	59	67	67

Wages

88. The petitioner has claimed that wages are determined according to the provisions of Labour Laws as such wages cannot be changed according to the financial health of the petitioner companies.

Profitability

Year	Sales Value (Rs. in laks)	Cost of Sales (in lakhs)	Profit/Unit	Profitability
1999-2000	****	****	****	****
2000-2001	****	****	****	****
2001-2002	****	****	****	****

89. The loss per unit during 2001-2002 has marginally decreased due to reduction in costs of raw materials, and increase in capacity utilization. The cost of production of the domestic industry has declined in the POI whereas selling price has also declined. The domestic industry is incurring the loss due to the fact that the domestic industry is forced to reduce the selling price below its cost of production to hold on market due to dumped imports from subject country. The domestic industry has suffered material injury on account of depressed selling price resulting in non-recovery of cost of production and thereby suffering financial loss.

Return on Investment (Capital Employed)

90. As enumerated above the industry is operating at a loss and thus the domestic industry has not been able to earn reasonable return on its investments. Petitioner has claimed that the rate of return on investment during POI for the product under consideration is negative. The Authority notes that the loss per unit has also decreased in the investigation period; still, the dumped imports have prevented the domestic industry to recover or minimize its financial loss and improve the financial health of the industry.

Price Undercutting, Price Suppression/ Depression and Price underselling

91. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree.

92. The Authority has compared the landed value of imports of subject goods from subject country during the POI with the net sales realization and has found that there has been a significant price undercutting by the dumped imports. The landed value of imports has been found to be significantly lower than the domestic industry's net sales realization. The Authority further notes that the domestic industry was compelled to lower its prices as to hold on its market share to compete with the dumped imports from subject country.

93. The Authority has examined the claim of the domestic industry regarding the suffering on account of the losses from the sale of Green Veneer Tape. The Authority notes that the price underselling is an important indicator to make an assessment of the injury. The Authority has worked out the non-injurious price for the product under consideration and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The Authority notes that a significant level of incidence of price underselling causing injury to the domestic industry.

94. The petitioner claims that the imports were having significantly suppressing/depressing effect on the domestic industry. The Authority notes that the imports were having significantly suppressing/depressing effect on the prices in the domestic market, as the domestic industry has not been able to raise its selling price in view of the dumped imports. The selling price of the domestic industry is below the cost of production that results into a suppressing/depression effect.

95. Thus examination of the available evidence shows that the domestic industry has suffered injury on its sales of subject goods during POI. The Authority has determined the extent of price undercutting during the POI and holds that domestic industry has suffered significant price undercutting and price underselling during the POI due to dumped imports from subject country.

Growth

96. It is submitted and noted that due to the negative returns in the industry and continued dumped imports, the domestic industry is in a difficult situation to grow, as there is surplus available capacity to meet the domestic demand.

97. The exporters/manufactures who have not exported to India during the period of investigation may apply for review as new exporters under Rule 22 of anti dumping Rules Supra as and when they export to India.

Threat of Injury

98. As regards the threat of injury, the Authority notes that the Anti-Dumping Rules states as follows:

“A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances, which would create a situation in which the dumping would cause injury, must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the DA shall consider, inter-alia, such factors and;

- a) a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;
- b) sufficient freely disposable or an imminent, substantial increase in capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;
- c) whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and,
- d) inventories of the article being investigated.

99. The Authority notes that the imports are severely undercutting the prices in the domestic market, which have been analyzed in details on prepages. The Authority is not having the sufficient evidence regarding surplus capacity available with the exporters. Therefore the Authority notes that there is not sufficient evidence to establish threat of injury as claimed by the petitioner.

Conclusions on Injury:-

100. From the foregoing, the following conclusions are made by the Authority regarding injury suffered by the domestic industry.

- a) Imports from the subject country have increased significantly in absolute terms.
- b) Imports from the subject country have increased in relation to the demand of Green Veneer Tape in India.
- c) Imports are significantly undercutting the selling price of domestic industry
- d) The profitability of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports resulting into financial loss.
- e) The domestic industry is suffering from price suppression/depression, as landed price of the subject goods from the subject country is less than the cost of production of domestic industry.
- f) The domestic industry is suffering from price underselling as landed price of the subject goods are below the fair selling price of the domestic industry.
- g) The domestic industry has suffered material injury.
- h) There is not sufficient evidence regarding threat of injury .

Causal Link

101. The Authority holds that the increasing quantum of imports from subject country resulted in material injury to the domestic industry. Import of Green Veneer Tape has resulted in curtailment of sales contract of the domestic industry and also displaced the demand of domestically produced Green Veneer Tape. The dumped imports in effect started undercutting the prices of the domestic product compelling the domestic industry to sale below its fair selling price. Resultantly, the domestic industry was not in a position to realise its fair selling price and therefore incurred losses. Therefore the material injury was caused by the dumped imports from the subject country to

the domestic industry. The injury to the domestic industry is a consequence of dumped imports of like article from subject country.

102. The domestic industry is facing injury due to dumping of Green Veneer Tape by exporters from subject country. The increase in imports from the subject country has had a direct impact on the prices. Resultantly, while the import volumes increased on the one hand, the domestic industry has been forced to lower its prices on the other hand. There is no contraction in demand, the demand has rather increased.

103. The demand of this product is increasing since there is no quality related issues pertaining to this product. Therefore, the argument related to pattern of consumption is not relevant. Thus, the increasing trend in consumption is a conclusive indicator of the consumption pattern Not being cause of injury.

104. Further, there are no other factors such as trade restrictive practice or development in technology, which could have caused material injury to the domestic industry.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

105. The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

106. The Authority also recognises that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the consumers.

107. The Authority notes that the imposition of anti-dumping measures would also not restrict imports from the subject country in

any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

108. The Authority has not merely relied upon the submissions of the petitioners regarding fair selling price, rather the Authority deputed a team for on-the-spot investigation and verification of costing and manufacturing process of Green Veneer Tape, and worked out in detail the fair selling price of subject goods in India for the Domestic Industry separately.

109. Consumers have raised their arguments that the imposition of anti dumping measures would result in less competition and higher prices for consumers of Green Veneer Tape and may harm the user industry. The Authority notes that price advantages based on unfair practices are unjustifiable and may in the longer term are harmful even to the interest of consumer.

F. CONCLUSIONS:

110. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Subject goods have been exported to India from subject country below its normal value;
- (ii) The Indian industry has suffered material;
- (iii) The injury has been caused by the imports from the subject country.

111. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty on all imports of Green Veneer Tape from subject country in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry.

112. Accordingly, the Authority recommends that definitive anti dumping duties as set out below be imposed by the Central Government on all imports of Green Veneer Tape falling under customs heading 48.11, 4811.4900, 48.23, and 4823.1900 originating in or exported from subject country. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column no.9 of the following table and the landed value of imports per Sq. Mtr on all imports of subject goods falling under chapter 48 of the Customs Tariff, originating in or exported from the subject country mentioned below:-

Sl. No	Sub-heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Reference price	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	48.11, 48.23, 4811.4900, 4823.1900	Green Veneer Tape	All grades	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any producer	Any exporter	0.13334	Sq. Mtr	US\$
2	48.11, 48.23, 4811.4900, 4823.1900	Green Veneer Tape	All grades	Any country other than Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any producer	Any exporter	0.13334	Sq. Mtr	US\$
3	48.11, 48.23, 4811.4900, 4823.1900	Green Veneer Tape	All grades	Chinese Taipei	Any country other than Chinese Taipei	Any producer	Any exporter	0.13334	Sq. Mtr	US\$

113. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
114. Subject to the above, the Authority confirms the Preliminary Findings dated 23rd May 2003.
115. An appeal against this order shall lie before the CESTAT (Central Excise Service Tax and Appellate Tribunal) in accordance with the Act, supra.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority